

डॉ. डोनाल्ड फाउलर, ओल्ड टेस्टामेंट बैकग्राउंड्स, व्याख्यान 7, जुबली

© 2024 डॉन फाउलर और टेड हिल्डेब्रांट

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 7, जुबली है।

अच्छा, पुनः स्वागत है। पाठ्यक्रम के पुराने नियम की पृष्ठभूमि के बारे में सबसे कठिन चीजों में से एक यह है कि हम सभी, जिनमें मैं भी शामिल हूँ, मुख्य रूप से बाइबिल की कहानी में रुचि रखते हैं। लेकिन समस्या यह है कि बाइबिल की अधिकांश कहानी वास्तव में मेसोपोटामिया की कहानी शुरू होने के एक हजार साल बाद की है। इसलिए आप पैराशूट की तरह उस क्षेत्र में नहीं उतर सकते।

आपको कम से कम निरंतरता बनाने की शुरुआत करनी होगी। लेकिन हम आखिरकार पुराने बेबीलोनियन काल के उस स्थान पर पहुँच रहे हैं जहाँ बाइबिल की समानताएँ वास्तव में दिलचस्प हैं, और मुझे लगता है कि आपको यह सच लगेगा। मुझे हिक्सोस साम्राज्य का एक नक्शा मिला जो मैं आपको दिखाना चाहता था, और इससे हमें इस महान साम्राज्य की एक छोटी सी दृश्य तस्वीर मिलेगी।

जैसा कि आप स्क्रीन पर देख सकते हैं, हमारे पास हिक्सोस साम्राज्य दक्षिणी तुर्की तक फैला हुआ है। वैसे, आप यह भी देख सकते हैं कि हिक्सोस पर एस के अंत में, आप देख सकते हैं कि योम किप्पुर कहाँ था। तो यहां एक नक्शा है जो आपको उस बेहद प्रभावशाली भौतिक क्षेत्र को दिखाता है जिस पर हक्सोस ने वास्तव में शासन किया था।

जैसा कि आप यहां स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, उन्होंने मिस्र के केंद्र से लेकर पूरे मिस्र के केंद्र तक शासन किया। हिक्सोस साम्राज्य की राजधानी मिस्र में अवारिस थी, और तब उन्होंने यूफ्रेट्स नदी तक पूरे रास्ते पर शासन किया था। तो, निस्संदेह, यह एक महान साम्राज्य था, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप मेरे साथ मुख्य रूप से यह याद रखें कि वे एक महान लोग थे, और हमारे पास एक भी हिक्सोस टैबलेट नहीं है, इसलिए ऐसा नहीं है कि हम एक सार्थक लिख सकते हैं इन लोगों का इतिहास वैसा ही है जैसा हम चाहेंगे, लेकिन वे बाइबिल अध्ययन या हिब्रू लोगों के लिए अद्वितीय महत्व के लोग थे।

तो, इसके साथ, मैं उस ओर मुड़ता हूँ जो मुझे लगता है कि पुराने नियम की पृष्ठभूमि का अध्ययन कितना उपयोगी हो सकता है, इसका एक अच्छा उदाहरण है। इस निचले पैराग्राफ में, मैंने उल्लेख किया है कि शायद सबसे कठिन आर्थिक अभ्यास जुबली का था। पुराने नियम में, हर सात साल में, रिहाई होती थी, यानी ऋणों को रद्द करना होता था।

अब, हमें यह दिखाने वाले सबसे अच्छे बाइबिल अंशों में से एक व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में है, जहां इसे इस तरह पढ़ा जाता है: हर सात साल के अंत में, आप ऋणों की माफी देंगे। और यह

छूट का तरीका है. प्रत्येक लेनदार को वह धन जारी करना होगा जो उसने अपने पड़ोसी को उधार दिया है।

वह अपने पड़ोसी और अपने भाई से इसकी वसूली न करेगा, क्योंकि प्रभु की क्षमा की घोषणा की गई है। सो तू किसी परदेशी से वसूल कर सकता है, अर्थात् जब तू किसी परदेशी को धन उधार देता है, तो उस पर उसे लौटाने के लिये दबाव डाल सकता है, परन्तु जो कुछ तेरा तेरे भाई के पास है उसे तू छुड़ाएगा। और निस्संदेह, भगवान कहते हैं कि इस प्रथा का कारण श्लोक 4 का प्रसिद्ध मार्ग है, कि तुम्हारे बीच कोई गरीब न हो।

तो, हम आपको जो बताना चाहते हैं वह यह है कि एक आर्थिक प्रथा थी जो मेसोपोटामिया में एमोरियों के साथ शुरू हुई थी, और वह प्रथा राजा द्वारा ऋणों को रद्द करने की थी। मेसोपोटामिया में, पुराने बेबीलोनियन काल में एक दिलचस्प प्रथा थी, जब नए राजा के शासन के पहले पूर्ण वर्ष में, वह ऋणों को रद्द कर देता था। ठीक है, हम इसके बारे में बात करने जा रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी संभावना है कि बाइबिल में इस अवधारणा को जन्म दिया गया है, जिसमें यह एक नए राजा के आधार पर नहीं किया गया था, बल्कि यह चक्रीय आधार पर किया गया था प्राचीन इसराइल में हर सातवें वर्ष में कर्ज माफ़ कर दिया जाता था, ज़मीन परती कर दी जाती थी और दासों को आज़ाद कर दिया जाता था।

मैं मनुमिटेड शब्द का उपयोग करता हूँ। यह यकीनन संपूर्ण प्राचीन विश्व की सबसे आश्चर्यजनक आर्थिक प्रथा है। परमेश्वर ने मूसा को जो बताया वह एक आर्थिक प्रथा थी कि एक चक्र पर, सातवां वर्ष वह वर्ष था जिसे रिलीज़ वर्ष कहा जाता है।

रिलीज़ वर्ष में यही हुआ। सातवें वर्ष में, एक इस्राएली ने दूसरे इस्राएली पर जो कर्ज लिया था, वह सब रद्द कर दिया जाए। इसके अलावा, सातवें वर्ष में भूमि की जुताई नहीं की जानी थी और सभी दासों को मुक्त कर दिया जाना था।

अब, आप ध्यान दें कि मैंने इसे एक अलग श्रेणी में रखा है, लेकिन वास्तव में, दासों की मुक्ति ऋणों को रद्द करने का एक और मामला था। हमारी संस्कृति में, हम गुलामी के बारे में नस्लीय दृष्टि से सोचते हैं। बाइबल में, इसका वस्तुतः नस्ल से कोई लेना-देना नहीं है।

इसका अधिकतर संबंध अर्थशास्त्र से था। एक कृषक समुदाय में, एक किसान को दिवालिया बनाने के लिए बहुत सी चीजें हो सकती हैं: फसल की बीमारी, कीड़ों का संक्रमण, किसान की शारीरिक अक्षमता, या शायद किसान बीमार हो गया।

तो, ऐसी चीजें थीं जो घटित हो सकती थीं जो किसी व्यक्ति को उस चीज़ के लिए मजबूर कर देंगी जिसे हम अपनी संस्कृति में दिवालियापन कहते हैं। खैर, प्राचीन दुनिया में उनका दिवालियेपन नहीं था। इसलिए, पूर्ण विफलता, आर्थिक विफलता की आपदा में एक आदमी खुद को बचाने का एकमात्र तरीका खुद को बेचना या अपने बच्चों में से किसी एक को गुलामी में बेचना था।

हालाँकि, मैं इसे कैमरे के लिए फिर से कहना चाहता हूँ। इसका पूर्वाग्रह या नस्ल से कोई लेना-देना नहीं था। यह लगभग पूरी तरह से आर्थिक वास्तविकता थी।

यह वास्तविक पैसे के बिना दुनिया में हुआ। इस युग में सिक्के नहीं थे। पैसे के मामले में उनके पास सबसे करीबी चीज़ चाँदी, एक शेकेल तोलना था।

हिब्रू शब्द शेकेल आज एक सिक्के का वर्णन करता है, लेकिन बाइबिल में, इस शब्द का अर्थ वजन, वज़न था। आप एक तराजू पर एक माप चाँदी तौलेंगे, और इसका प्रभाव धन पर पड़ सकता है। लेकिन वास्तव में, फ़ारसी काल तक सिक्कों का अस्तित्व नहीं था।

बिना पैसे के लोग सामान का लेन-देन करते थे। इसलिए, यदि आप किसान हैं और आपके पास कोई सामान नहीं है, तो आपके पास केवल आपकी ज़मीन है। खैर, हिब्रू परंपरा में, भगवान ने एक कानून दिया था जिसमें कहा गया था कि आप जमीन नहीं बेच सकते। तो, वस्तुतः, अंतिम उपाय के रूप में, एक हिब्रू किसान जो कुछ भी बेच सकता था वह स्वयं या उसके बच्चों में से एक था।

तो, क्योंकि वह एक आर्थिक प्रथा थी, वैसे, मुझे लगता है कि यह बाइबिल में सबसे दिलचस्प और गलत समझी जाने वाली अवधारणाओं में से एक है। हम जहां हैं, उससे आगे जाने के लिए बस मुझे दो मिनट का समय दें क्योंकि गुलामी की यह अवधारणा नए नियम में अपना रास्ता बनाती है। लेकिन वहाँ, यह वास्तव में एक प्रसिद्ध रूपक बन जाता है कि हम ईश्वर की संतान कैसे बनते हैं।

हम गुलामी की स्थिति मानते हैं। यह बहुत गलत समझा गया है, मैं सचमुच चाहता हूँ कि मैं आपको यह समझाने के लिए समय निकाल सकूँ। हालाँकि, नए नियम में गुलामी इस वास्तविकता का एक रूपक मात्र थी कि मनुष्य पर ईश्वर का स्वामित्व है।

हम दोनों उनके पुत्र और उनके दास हैं। हमारे लिए इसे आत्मसात करना थोड़ा कठिन है, लेकिन वे दोनों सिर्फ रूपक हैं। हम वास्तव में इस अर्थ में ईश्वर के पुत्र नहीं हैं कि हमारा जैविक वंश ईश्वर से है।

हम प्रतीकात्मक रूप से ईश्वर के पुत्र हैं। हम प्रतीकात्मक रूप से ईश्वर के दास हैं। यह एक बहुत ही दिलचस्प विषय क्षेत्र है।

आज इसमें बहुत अच्छा काम हो रहा है। लेकिन इस प्रथा पर लौटने के लिए, रिलीज़, जिसकी हिब्रू बाइबिल में अपनी भाषा है, को जुबली के साथ भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए। जुबली सात गुणा सात का परिणाम है, इसलिए 50वां वर्ष जुबली वर्ष है।

वैसे, जुबली लैव्यव्यवस्था 25 में दिखाई देती है। अधिकांश अध्याय जुबली पर चर्चा करने के लिए दिया गया है। जुबली रिलीज़ वर्ष के समान हो भी सकती है और नहीं भी, जो सातवां वर्ष था। हम बिना किसी संदेह के जानते हैं कि ऋणों को रद्द करने की यह प्रथा सात के चक्र पर होनी थी।

हमें यकीन नहीं है। इस बात पर बहस चल रही है कि इसे कैसे समझाया जाए, क्या 50वां वर्ष केवल एक पवित्र 50वां वर्ष था या क्या इसके काम करने के तरीके में कोई वास्तविक अंतर था।

हम जो जानते हैं वह यह है कि ईश्वर ने इज़राइल को एक आर्थिक कार्यक्रम पर रखा था जिसकी विशेषता ऋणों को रद्द करना और दासों को मुक्त करना था। हो सकता है कि ज़मीन पर पड़ी परती कुछ ऐसी चीज़ हो जो सिर्फ 50वें वर्ष में हुई हो, 50वें वर्ष में आपने फसलें नहीं बोईं।

हम वास्तव में निश्चितता के साथ नहीं कह सकते हैं, लेकिन जो हम निश्चितता के साथ कह सकते हैं वह यह है कि भगवान ने इज़राइल के लिए एक आर्थिक प्रणाली बनाई थी, एक ऐसी प्रणाली जिसकी उत्पत्ति सब्बाथ की हिब्रू अवधारणा से हुई थी ताकि ऋणों को रद्द किया जा सके। इसलिए, यदि हम यहां अपने नोट्स पर वापस आ सकते हैं और इसे देख सकते हैं, तो हम देख सकते हैं कि यह अवधारणा मेसोपोटामिया रिलीज पर वापस जा सकती है जो पुराने अक्काडियन काल में सरगोन के रूप में वापस पहुंचती है। अब तक, हमारे पास मेसोपोटामिया में विभिन्न शाही रिलीजों के कम से कम 48 संदर्भ हैं।

तो, मुझे पता है कि मैं एक और चर्चा में शामिल हो गया हूं, मैं वापस जाता हूं और आपको बताता हूं, मेसोपोटामिया में, आपको याद होगा, रिहाई एक चक्र पर नहीं हुई थी, यह तब हुई थी जब एक नए राजा ने सिंहासन संभाला था। जब कोई नया राजा गद्दी पर बैठा, तो ऋणों से मुक्ति, मुक्ति हुई। दो अक्कादियन शब्द मेशरम और एंडिररम हैं, जो हिब्रू शब्द याशर और एडिटर से मेल खाते हैं, जो व्युत्पत्ति की दृष्टि से समान हैं।

दिरुर मेसोपोटामिया एंडिररम का सच्चा प्रतिरूप है, इसलिए आपको यह सब पूरी तरह से जानने की आवश्यकता नहीं है, मैं बस आपसे यह कहना चाहता हूं कि मेसोपोटामिया में रिलीज के लिए शब्दावली व्युत्पत्तिगत रूप से हिब्रू बाइबिल में शब्दावली के समान है। व्यवस्थाविवरण 15 में, जब भगवान ने रिहाई के बारे में बात की, तो वह शब्द शमिता था, लेकिन दिरुर शब्द भी है, जो व्युत्पत्ति संबंधी दृष्टि से समान है। इसलिए इस तर्क का कुछ औचित्य है कि बाइबिल में रिहाई की भाषा वही है जो प्राचीन मेसोपोटामिया में थी।

हमारे पास कुल 48 अलग-अलग रिलीज़ हैं जो हमने जमा की हैं, शायद आज यह 50 से अधिक है, एक समय था जब मैं अपने छात्रों को बताता था कि हमें लगभग सवा लाख क्यूनिफॉर्म टैबलेट मिली हैं, लेकिन आज यह एक मिलियन से अधिक है . और कभी-कभी उन टैबलेट्स को प्रिंट करने में एक पीढ़ी लग जाती है, इसलिए जब हम डेटा ढूंढते हैं तब से लेकर डेटा हमारे सिस्टम का हिस्सा बनने तक समय का एक वास्तविक अंतराल होता है। लेकिन आज मेसोपोटामिया में संभवतः 50 से अधिक अलग-अलग रिलीज़ पाए गए हैं, रिलीज़ के 50 अलग-अलग उल्लेख हैं जिन्हें स्थापित किया गया था।

हालाँकि, मेसोपोटामिया रिलीज़ का सबसे पहला संदर्भ संभवतः लगभग 2500 में एकोनिटम का है। मेसोपोटामिया में अधिकांश रिलीज़ बाइबिल के अध्ययन के लिए सबसे उपयोगी अवधि, प्रारंभिक बेबीलोनियन काल में हुई थी। प्रारंभिक बेबीलोनियन काल के सभी राजा, उन सभी ने एक रिहाई की स्थापना की।

वास्तव में, पुराने बेबीलोनियाई राजाओं में से अंतिम, अम्मी-सदुका, की वास्तव में दो रिलीज़ थीं जिन्हें उन्होंने स्थापित किया था। तो चलिए फिर अपनी जानकारी पर आते हैं। आप उस आर्थिक

अराजकता की कल्पना कर सकते हैं जो तब आएगी जब आपकी संस्कृति में आपको पता नहीं होगा कि ऋण कब रद्द होंगे।

मेसोपोटामिया में, आपके पास कई चीजें थीं जो घटित होनी थीं। पुराने राजा का मरना ज़रूरी है, नया राजा गद्दी संभालता है, और उसके पहले पूरे वर्ष तक आपको रिहाई नहीं मिलती। वह सब पूर्णतः अज्ञात है।

तो, प्राचीन मेसोपोटामिया की अर्थव्यवस्था में इसका मतलब अराजकता था। भगवान की योजना एक ऐसे चक्र पर काम करती थी जिसके लिए हर कोई तैयारी कर सकता था। उनकी योजना, जो राजसत्ता की केंद्रीयता से बंधी थी, उनकी योजना अप्रत्याशित और अज्ञात थी।

इसलिए, मैंने यहां अपने नोट्स में आपको बताया है कि बेबीलोन के ठीक पश्चिम में फरात नदी के मध्य मार्ग में एक छोटे से राज्य चाना में तीन गोलियां मिली हैं, जो किसी न किसी रूप में रिहाई से संबंधित हैं। इन गोलियों को आम तौर पर रिलीज़ के विरुद्ध सुरक्षा दस्तावेज़ कहा जाता है। ठीक है, आइए देखें कि क्या मैं आपके लिए यह सेट कर सकता हूं कि यह कैसे काम करता है।

श्रेय का कोई न कोई रूप हमेशा होना ही चाहिए। लेकिन मान लीजिए, मान लीजिए कि, आधुनिक शब्दों में, आप मेरे पास आते हैं, और मेरे पास पैसा है, और आप मुझसे कहते हैं, मैं जिस व्यवसाय पर काम कर रहा हूं, उसके लिए प्रारंभिक धन के रूप में आपसे 50,000 डॉलर उधार लेना चाहता हूं। ठीक है, मैं आपकी ओर देखता हूं और कहता हूं, मुझे लगता है कि आप भरोसेमंद हैं, लेकिन मैं इस समस्या का क्या करूं कि मैं आपको 50,000 डॉलर उधार देता हूं, वर्तमान राजा मर जाता है, नया राजा रिहाई का आदेश देता है, मैं 50,000 डॉलर से बाहर हो जाता हूं, आपको 50,000 डॉलर का फायदा होता है मुफ्त पैसे का।

खैर, प्राचीन भी उतने ही बुद्धिमान थे जितने हम हैं। कई मायनों में, वे अधिक चतुर थे, क्योंकि वे जानते थे कि जिस दुनिया में हम रहते हैं, उससे भी अधिक प्रतिकूल दुनिया में कैसे जीवित रहना है। इसलिए पूर्वजों ने एक क्रेडिट सुरक्षा उपकरण बनाया ताकि अगर मैं आपको पैसे उधार देता, तो हम एक साथ एक दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करते, जो मेरी, लेनदार की रक्षा करेगा ताकि मैं अपना पैसा न खोऊँ।

मैं आपको पैसे उधार दूंगा, लेकिन हम क्यूनिफॉर्म टैबलेट पर बताएंगे कि यह ऋण ऋण रद्दीकरण के अधीन नहीं था। खैर, हमें ये दस्तावेज़, ये सुरक्षा दस्तावेज़ पूरे पुराने बेबीलोनियन काल में मिलते हैं। न्यूज़ी नामक एक अन्य साइट पर रिलीज़ का उल्लेख करते हुए कई टैबलेट पाए गए हैं, और वे सुरक्षा दस्तावेज़ भी हैं।

तो यहाँ मेरी टिप्पणी है क्योंकि हम मेसोपोटामिया में इस प्रथा को देखते हैं। बेबीलोन के सभी पुराने राजाओं को कम से कम एक रिहाई मिली थी, अम्मी-सदुक्का को दो रिहाई मिली थी। उनके दावे पर ध्यान दें, और अपने पुराने नियम के बारे में सोचें जैसा कि हम अमीद सदुका की रिहाई के बारे में पढ़ते हैं।

यह वह वर्ष था जब विनम्र चरवाहा, जिसने अनु और एनिल की बात सुनी, सूर्य की तरह भूमि के लिए उभरा, और सभी लोगों के लिए एक धर्मी व्यवस्था बनाई। मैंने धार्मिक आदेश को रेखांकित किया है क्योंकि वह मेशारम शब्द है, जो रिलीज के लिए बाइबिल के शब्दों में से एक है। अपने दसवें वर्ष में, उन्होंने दावा किया कि यह वह वर्ष था जिसमें सच्चे चरवाहे, शमाश और मर्दुक के पसंदीदा, ने भूमि के ऋणों को मुक्त कर दिया था।

ठीक है? तो, मैं जो करने जा रहा हूँ वह हमारी टिप्पणियों को दो विषय क्षेत्रों में विभाजित कर देगा, और इसलिए मुझे इसे यहां बोर्ड पर लिखने दें ताकि मैं इसे आपके लिए सेट कर सकूँ ताकि उम्मीद है कि यह थोड़ा कम भ्रमित करने वाला होगा। तो दो विषय क्षेत्र हैं रिहाई की बाइबिल अवधारणा और, दूसरी बात, जब रिहाई की बात आती है तो राजत्व का पसंदीदा शब्द, जो चरवाहा शब्द है। ठीक है? तो, हम जो करने जा रहे हैं वह दो सूचनात्मक व्याख्यानों में लॉन्च होगा।

मैं इतना मूर्ख नहीं हूँ कि यह सोचूँ कि वे महान व्याख्यान हैं। वे केवल जानकारीपूर्ण व्याख्यान हैं जो हमें उन चीजों को गहराई से समझने में मदद करते हैं जो सीधे मसीह के सार्वजनिक मंत्रालय में गूँजती हैं। ठीक है? तो, इन दोनों में से पहला जिस पर हम गौर करने जा रहे हैं वह है रिलीज शब्द।

सातवें वर्ष की रिलीज के इस चक्र में हम जो देखते हैं वह एक चक्र है जिसे मैं सब्बाटेरियन कहूँगा। ठीक है? यह स्पष्ट रूप से सातवें दिन की प्रतिध्वनि का पुनरुत्पादन है जिसे भगवान ने हमें उत्पत्ति 1 और 2 में प्रस्तुत किया है। छह दिनों में भगवान ने पृथ्वी का निर्माण किया। सातवें दिन भगवान ने विश्राम किया।

विश्राम से हमारा तात्पर्य यही है। ठीक है? खैर, यह रिहाई जिसे हम बाइबिल परंपरा में देखते हैं, स्पष्ट रूप से उस सब्बाथ चक्र की निरंतरता है। सातवाँ वर्ष विश्राम वर्ष है।

जैसे परमेश्वर ने सातवें दिन विश्राम किया, वैसे ही सातवें वर्ष में इब्रानियों को भी विश्राम करना था। पूरा साल आराम करने के लिए अलग रखा गया था। तो, जो हम अपने सामने प्रकट होता हुआ देखते हैं वह एक ऐसी घटना है जिसमें सब्बाटेरियन चक्र एक आर्थिक प्रारूप में प्रकट होता है।

ठीक है? तो, मैं आपके लिए एक ग्राफ़ बनाने के अपने दुखद प्रयास को लिखना शुरू करूँगा जिससे यह स्पष्ट हो सके कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं। तो, आइए सबसे महत्वपूर्ण रहस्योद्घाटन घटना से शुरुआत करें। हिब्रू परंपरा में, यह है कि ईश्वर राजा है।

ठीक है? राजा के रूप में, परमेश्वर के राजत्व में दो महत्वपूर्ण गुण हैं: वह प्रदाता है और वह रक्षक है। अब, यह सब बहुत जटिल है, और अगर मैं ये चीजें शिकागो विश्वविद्यालय या मिशिगन विश्वविद्यालय जैसे किसी महान विश्वविद्यालय में पढ़ा रहा होता, तो वहां के प्रोफेसर मुझ पर हंसते कि मैं इसे आपके सामने किस सरल तरीके से प्रस्तुत कर रहा हूँ। .

लेकिन कुछ बनाने के लिए, मुझे लगता है, हमें उन सरल विचारों से शुरुआत करनी होगी जिन्हें हम आत्मसात कर सकते हैं इससे पहले कि हम उन जटिल चीजों तक पहुंचें जहां हम बालों को

विभाजित कर सकते हैं। लेकिन हम जो देख रहे हैं, वह यह है कि बाइबिल परंपरा में, बाइबिल परंपरा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कारक है, और वह यह है कि पाठ को हमें भगवान की पहचान प्रकट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यदि आप भगवान हैं और आपने स्वर्ग और पृथ्वी का निर्माण किया है, तो आप सभी आने वाली पीढ़ियों को यह बताने की आवश्यकता के साथ मताधिकार प्राप्त कर चुके हैं कि आप कौन हैं और आप कैसे कार्य करते हैं।

तो, बाइबिल में भगवान की छवि का केंद्र यह है कि वह राजा है। अब, मुझे एहसास हुआ कि ईश्वर का वर्णन करने वाले अन्य शब्द भी हैं, लेकिन मुझे लगता है कि यह सबसे महत्वपूर्ण है। और यदि आप रुकें और मेरे साथ राजत्व की वास्तविकता के बारे में सोचें, तो यह आपके लिए समझ में आ सकता है, क्योंकि क्यों? राजा से ऊपर कोई नहीं है।

मेसोपोटामिया में हमने देखा है कि राजा सर्वशक्तिमान होता है, हमने देखा है कि राजा के पास सारी ज़मीन होती है, हमने देखा है कि राजा पूरी सामाजिक व्यवस्था का केंद्र होता है। इसलिए, यह ईश्वर की पहचान प्रकट करने के लिए एक आदर्श रूपक प्रदान करता है। ईश्वर एक मात्र है।

कोई दूसरा राजा नहीं है। वह अकेला है। वह सबसे ऊपर है।

वह सबका मालिक है। वह सब कुछ है। तो, यह ईश्वर की पहचान प्रकट करने के लिए एकदम सही रूपक है।

तो, एक रिलीज़ की स्थापना करके, आप मेसोपोटामिया में कनेक्शन को देखते हैं, रिलीज़ की स्थापना कौन करता है? यह राजा है। खैर, बाइबिल में विमोचन की स्थापना कौन करता है? ईश्वर। क्योंकि परमेश्वर इस्राएल का राजा है, अन्य सभी राजा केवल इसलिए राजा हैं क्योंकि वे महान राजा के अधीन हैं।

तो, यह एक राजा के रूप में है कि भगवान हमें अपनी पहचान बता सकते हैं, लेकिन सिर्फ अपनी पहचान नहीं, क्योंकि उनकी पहचान यह है कि वह एक राजा हैं। लेकिन विज्ञप्ति हमें बताती है कि राजा क्या करता है। वह प्रदान करता है और वह सुरक्षा करता है।

वह बस है। तो, इसे ध्यान में रखते हुए, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि रिलीज़ की यह अद्भुत आर्थिक घटना, यह अद्भुत आर्थिक घटना तीन संस्थाओं से संबंधित है जो इससे नीचे हैं। एक तो यह स्पष्ट रूप से भूमि से संबंधित है।

दो, इसका संबंध मानवजाति से है। मैं अपनी कक्षाओं में मानव जाति शब्द का उपयोग करने का प्रयास करता हूँ क्योंकि मेरा मानना है कि आदम और हव्वा में केवल आदम ही नहीं, बल्कि परमेश्वर की छवि शामिल है। लेकिन मेरे पास जगह की कमी है, जैसा कि आप देख सकते हैं, इसलिए मैं सिर्फ मनुष्य को रखने जा रहा हूँ क्योंकि यह मानव जाति से छोटा है।

तो, रिलीज़ का संबंध दो घटनाओं से है, भूमि और मनुष्य, मानव जाति से। खैर, जब आप उत्पत्ति 1 और 2 के बारे में सोचते हैं, तो यह सब कहाँ से शुरू होता है, उत्पत्ति 1 और 2 में किस पर जोर दिया गया है? वह भूमि जिसे ईश्वर बनाता है और मनुष्य जिसे ईश्वर उस भूमि पर रहने के लिए

बनाता है। ठीक है, प्राचीन निकट पूर्वी विचार में, जिसे हम बाइबिल के विचार को समझने के लिए पृष्ठभूमि मानते हैं, यह हमें बताता है कि भगवान उत्पत्ति 1 और 2 की घटनाओं का उपयोग कर रहा है, और 3 में जोड़ सकता हूँ, वह कनेक्टर्स के रूप में उपयोग कर रहा है जिसे उनके मूल ईश्वर की ओर इशारा कर रहे हैं।

शायद मुझे अपने पेन का रंग बदलने की ज़रूरत है ताकि आप इसे थोड़ा और स्पष्ट रूप से देख सकें। ये चीज़ें असल में हमारा ध्यान ईश्वर की ओर खींचती हैं। मैं समझता हूँ कि आपको और मुझे लोगों को देखने के लिए मॉल जाना पसंद है क्योंकि लोग बहुत दिलचस्प हैं।

वास्तव में, बाइबिल के विचार में, ईश्वर ही वह प्राणी है जिसका हमें अवलोकन करना चाहिए। यह हमें यह समझाने के लिए बनाया गया है कि ईश्वर कौन है और वह क्या करता है। इसलिए, जब हम बाइबिल के विचार में भूमि के बारे में सोचते हैं, तो हम ईश्वर को निर्माता के रूप में सोचते हैं, और हम उसे प्रदाता के रूप में सोचते हैं।

ठीक है? इसलिए, यदि हम इसे अपने दिमाग में रख सकते हैं, तो हम जिस घटना पर काम कर सकते हैं वह एक ऐसी घटना है जिसमें भगवान अपने राजत्व का संचार करते हैं, फिर वह इस सब्बाटेरियन मॉडल पर ऐसा करते हैं। हम एक संस्कृति हैं। वास्तव में मुझे इतना पैसा नहीं दिया जा रहा है कि मैं आपको बता सकूँ कि मेरी उम्र कितनी है। मेरी उम्र शायद 39 से अधिक होगी।

लेकिन मुझे याद है जब मैं छोटा था तो जब रविवार आता था, तो रविवार काफी हद तक ऐसा दिन होता था जब चीज़ें बंद हो जाती थीं। और अब मेरे जीवनकाल में, निस्संदेह, नाटकीय रूप से बदलाव आया है, जहां रविवार को सप्ताह के बाकी दिनों से बहुत कम अंतर है। खैर, ऐसा इसलिए है क्योंकि ईसाई धर्म के प्रभाव ने रविवार को अपने कब्जे में ले लिया था और इसे पुराने नियम के सब्त के दिन में बदल दिया था।

और इसलिए, हमने सब्त के दिन आराम किया। खैर, यह सब जो कर रहा है वह यह संबंध बना रहा है कि इजराइल की आर्थिक योजना सिर्फ एक आर्थिक योजना नहीं थी। इसके मूल में, पूरी चीज़ को ईश्वरकेंद्रित बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

यह पूरी चीज़ हमें ईश्वर के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करने के लिए डिज़ाइन की गई थी। और इसलिए, भूमि के दाता और मानव जाति के निर्माता के रूप में, दोनों घटनाओं में भगवान को राजा के रूप में दिखाया गया है। लेकिन वह अब हमें ऐसी स्थिति में भी डाल रहा है जहां कार्रवाई की ऊर्जाएं न केवल लंबवत रूप से काम करती हैं जैसा कि हम भगवान के बारे में सोचते हैं, बल्कि क्षैतिज रूप से भी करते हैं क्योंकि हमें एहसास होता है कि रिलीज में एक क्षैतिज ऊर्जा है जो इस तरह काम कर रही है।

चार्ट से मेरा अभिप्राय आपको यह दिखाना है कि यह न केवल मानव जाति के लिए, बल्कि स्वयं भूमि के लिए भी विश्राम और ऋणों का उन्मूलन है। इसलिए, चूंकि भगवान महान राजा भूमि देते हैं, भगवान ने एक ऐसी प्रणाली बनाई है जिसमें मानव जाति और भूमि के बीच क्षैतिज जिम्मेदारियां हैं जो भगवान के प्रति हमारी ऊर्ध्वाधर जिम्मेदारियों से उत्पन्न होती हैं। तो, यहीं पर मेरे विचार जा रहे हैं।

भगवान की अद्भुत योजना में, मैं एक शब्द का उपयोग करने जा रहा हूँ। मुझे यह शब्द पसंद नहीं है क्योंकि, आज हमारी संस्कृति में, बहुत सारे राजनीतिक रूप से संवेदनशील शब्द हैं, लेकिन यह शब्द कुछ विचारों को समाहित करता है। यहां हम जो देख रहे हैं वह यह है कि भगवान मानव जाति को सिखा रहे हैं कि भूमि को आराम देकर, जैसे मनुष्य को आराम मिलता है, भगवान हमें याद दिला रहे हैं कि यह पूरी तरह से पवित्र है।

यह हमारी ज़मीन नहीं है। सभी भूमि ईश्वर की है, और इसलिए, सभी भूमि के साथ उसी सम्मान और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए जैसा कि हम उस पर रहने वाले मनुष्यों के साथ करते हैं। तो, जैसे मनुष्यों को सातवें वर्ष का विश्राम मिलता है, वैसे ही भूमि को भी मिलता है।

इसके बहुत सारे धार्मिक निहितार्थ हैं जिनके बारे में मुझे यकीन नहीं है कि हम ऐसा कर सकते हैं; मुझे पूरा यकीन है कि हम आज अपने व्याख्यान में उन सभी को सामने नहीं ला सकते हैं, लेकिन यह जो कर रहा है वह मानव जाति और भूमि को याद दिला रहा है कि हम दोनों भगवान के हैं। तो, भूमि को अपना आराम मिलता है, और इसी तरह मानव जाति को भी। मुझे लगता है कि यह वास्तविकता में बदल जाता है कि ईसाई दृष्टिकोण से, हम भूमि के सम्मान के लिए तर्क देते हैं, इसलिए नहीं कि भूमि की सबसे अच्छी सेवा तब होती है जब उस पर कोई लोग नहीं होते हैं, जो कभी-कभी मुझे कुछ अधिक चरम रूपों के साथ मिलता है। पारिस्थितिकीविदों का, लेकिन यह भूमि भगवान की है, और इसलिए, हमें इसका दुरुपयोग करने का कोई अधिकार नहीं है।

यह बस इतना ही पता चला है कि अब हम संयोग से जानते हैं कि हर साल लगातार जमीन पर खेती न करना अच्छा है। अब हम जानते हैं कि यदि भूमि को समय-समय पर आराम नहीं दिया जाता है, तो हम उसकी उपजाऊ मिट्टी को सूखा देते हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि एक संभावित पारिस्थितिक कारण रहा होगा कि भूमि को आराम क्यों दिया गया, क्योंकि इंसानों की तरह, हम न केवल सब्बाथ अवधारणा को दोहराते हैं, बल्कि हम सभी को आराम की आवश्यकता होती है।

सब्बाथ मॉडल सिर्फ एक मॉडल नहीं है जिसके बारे में हम सृजन के आलोक में सोचते हैं। यह भी एक व्यावहारिक वास्तविकता है कि पृथ्वी को समय-समय पर आराम की आवश्यकता होती है, और मनुष्यों को भी समय-समय पर आराम की आवश्यकता होती है। तो, इसमें एक धर्मशास्त्र भी है, लेकिन एक व्यावहारिक अवधारणा भी है।

तो, वह हमें सिखा रहा है कि एक तरीका है जिससे हमें भूमि के बारे में सोचना चाहिए, और इसका मतलब है कि यह भगवान की है। गाली देना हमारा काम नहीं है। यह भगवान की भूमि है, और आप और मैं, आधुनिक शब्दावली में कहें तो, इस धरती पर हम बटाईदार हैं।

हम ज़मीन पर खेती करते हैं, लेकिन यह भगवान की है। तो, यह एक पहलू है कि हम ऋणों को रद्द करने के बारे में कैसे सोच सकते हैं। दूसरा पहलू यह है कि मुझे लगता है कि यह हमें याद दिलाता है कि भले ही पश्चिमी विचार में, हम मानवता की स्वतंत्रता पर ध्यान केंद्रित करते हैं, हम

एक ऐसी दुनिया में भी हैं जहां इंसान, यहां तक कि अमेरिका में भी, इंसानों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं।

तो, इसे इब्रानियों को यह सिखाने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि हर सातवें वर्ष सभी ऋणों को रद्द करके और दासों को मुक्त करके, भगवान अपनी रचना को कुछ ऐसी चीज़ की याद दिला रहे हैं जो स्पष्ट और पवित्र है, लेकिन उत्पत्ति 1 से 2 और 3 में यह इतना स्पष्ट नहीं है। पुरुष और प्रत्येक महिला को भगवान की छवि में बनाया गया है, और क्योंकि यह सच है, हमें किसी अन्य इंसान का आर्थिक रूप से दुरुपयोग करने का कोई अधिकार नहीं है। यह प्रणाली, जो अपने मूल में नाटकीय रूप से ईश्वरकेंद्रित है, एक ऐसी प्रणाली भी है जो हमें सिखाती है कि इस धरती पर कैसे रहना है। तो, प्राचीन दुनिया में इसका मतलब यह है कि, भगवान एक आर्थिक प्रणाली दे रहे थे जिसमें मनुष्य, यदि आप मुझे यह कथन देने की अनुमति देंगे, जो वास्तविकता के लिए बहुत नाटकीय हो सकता है, मनुष्य एक दूसरे का आर्थिक रूप से दुरुपयोग करने में असमर्थ हैं क्योंकि हर सातवें वर्ष हर किसी को एक नई शुरुआत मिलती है।

हर कर्ज रद्द करना होगा। यदि आपने स्वयं को गुलामी में बेच दिया है, तो आपको मुक्त होना होगा। और इसलिए, इसका मतलब पूंजीवाद के रूपों के विपरीत है। हमें जो मिला है वह विवेक युक्त पूंजीवादी व्यवस्था है।

कहने का तात्पर्य यह है कि यदि आप अपने छह वर्षों में कड़ी मेहनत करते हैं, तो आप समृद्ध हो सकते हैं। लेकिन यदि आप कठिन समय में फंसे हैं या शायद आपका पड़ोसी आपसे अधिक चतुर और होशियार है और वह आपसे आगे निकल जाता है, तो भगवान एक ऐसी प्रणाली बना रहे थे जिसके तहत हर सातवें वर्ष, एक बिल्कुल नई रचनात्मक शुरुआत होती है। और इस रचनात्मक शुरुआत में, सिर्फ यह याद नहीं दिलाया गया कि ईश्वर इन सभी चीजों के मूल में है, बल्कि एक ऐसी प्रणाली है जो इस धरती पर जीवन के लिए काम करेगी।

मुझे लगता है कि यह सचमुच एक धार्मिक रूप से अद्भुत प्रणाली है जिसे भगवान ने बनाया है। और मुझे लगता है कि इसका संबंध पारिस्थितिकी के उचित दृष्टिकोण और, मैं कहूंगा, रिशतों के उचित दृष्टिकोण से है। मेरी हार हुई; आप वहां शब्द का अंत नहीं देख सकते, बल्कि रिश्ते का उचित दृश्य देख सकते हैं।

जब आप व्यवस्थाविवरण 15 पढ़ेंगे, तो हमें इसे करने में समय नहीं लगेगा क्योंकि इस सप्ताह हमारे पास सब कुछ पाने के लिए पर्याप्त समय नहीं है। लेकिन अगर हमने इसे करने के लिए समय लिया, तो आप देखेंगे कि भाई शब्द बार-बार आता है। आपने यह भी देखा होगा कि गरीब शब्द बार-बार आता है।

आप यह भी देखेंगे कि यह प्रणाली कैसे काम करती है, इसके लिए ईश्वर की योजना व्यवस्थाविवरण के अध्याय 15 में बार-बार ईश्वरीय लक्ष्य के आसपास केंद्रित थी, कि आपके बीच कोई गरीब न हो। मुझे लगता है कि इससे मैं कह सकता हूँ कि गरीब लोगों का रहना भगवान की इच्छा नहीं है। ईश्वर की इच्छा है कि महान राजा के रूप में, ईश्वर की इच्छा है कि उसके सभी लोगों के पास समान रूप से जीवनयापन करने का तरीका हो।

प्राचीन इज़राइल में, इसका मतलब यह था कि हर किसी की अपनी बेल और अपना अंजीर का पेड़ था। अब यह एक रूपक है, हर किसी के पास अंजीर के पेड़ नहीं थे, हर किसी के पास बेलें नहीं थीं, लेकिन यह इस तथ्य के लिए एक रूपक है कि इज़राइल में हर किसी के पास संपत्ति थी। यह एक खेती की दुनिया थी. कोई उद्योग नहीं था.

इसलिए, भगवान ने एक ऐसी व्यवस्था बनाई जिसके तहत सभी के पास समान संपत्ति थी, ऐसा कहा जा सकता है, और हर कोई गरीबी से बचने में सक्षम था क्योंकि हर सातवें वर्ष, भूमि मूल मालिक को वापस कर दी जाती थी। और इस प्रकार, हमारे पास धर्मशास्त्र और अर्थशास्त्र का सबसे अद्भुत संयोजन है जो मुझे हिब्रू बाइबिल के स्थान पर कहीं भी पता है। अतः, इस प्रणाली की उत्पत्ति मेसोपोटामिया में हुई प्रतीत होती है।

ऐसा प्रतीत होता है कि इसे ईश्वर द्वारा अनुकूलित किया गया है, सिवाय इसके कि हिब्रू परंपरा में वह राजा है, और ऐसा लगता है कि इसे सृजन मॉडल पर बनाया गया है, जिसका अर्थ है कि ईश्वर चाहता है कि यह स्थायी हो, कम से कम इज़राइल के बीच। और ऐसा प्रतीत होता है कि यह उस प्रकार की चीज़ है जिसने एक ऐसी अर्थव्यवस्था का निर्माण किया जिसमें चक्रीय आधार पर पुनर्जन्म का अनुभव होगा। समस्या यहीं है.

यह वस्तुतः कभी नहीं किया गया था। अब हम निश्चित तौर पर तो नहीं कह सकते, लेकिन हमें लगता है कि यही समस्या थी. 1400 ईसा पूर्व में मूसा ने इसके बारे में लिखा था।

1360 में, जोशुआ उन्हें वादा किए गए देश में लाता है, और कुछ दशकों तक चीजें बहुत अच्छी चल रही हैं, लेकिन फिर एक दुखद घटना घटती है, जोशुआ की मृत्यु हो जाती है। और फिर यदि आप अपनी बाइबिल की कहानी को याद करते हैं, तो आपको याद होगा कि जब यहोशू मर जाता है, तो कोई उत्तराधिकारी नहीं होता है। बाइबिल का पाठ इस तथ्य को उजागर करता है कि यहोशू मूसा का सटीक उत्तराधिकारी है।

लेकिन जब यहोशू की मृत्यु हो जाती है, तो यहोशू का कोई उत्तराधिकारी नहीं होता है। और इसलिए, अगले 340 वर्षों के लिए, हम केवल 300 से अधिक वर्ष लगाएंगे, हम न्यायाधीशों की पुस्तक में हैं। न्यायाधीशों की पुस्तक में, हमारे पास एक ऐसी पुस्तक है जो हमें बताती है, क्या आप अब मेरे साथ सोच रहे हैं? उन दिनों इस्राएल में कोई राजा नहीं था।

हर किसी ने वही किया जो उनकी नज़र में सही था। जिस शब्द का सही अनुवाद किया गया है वह रिलीज़ शब्द का मूल शब्द भी है। इसलिए, जोशुआ की मृत्यु के साथ, अब हमारे पास एकजुट लोग नहीं हैं और कोई एकजुट नेतृत्व नहीं है।

और अगले 300 वर्षों तक कोई रिलीज़ नहीं होगी। इसलिए जब तक लगभग 1050 में शाऊल के साथ हमारा पहला राजा होगा, तब तक हम बिना किसी रिहाई के 400 साल पहले ही जी चुके होंगे। और हम 2 इतिहास से जानते हैं कि रिहाई, यह हमें बताती है, पूरे पुराने नियम में कभी भी अभ्यास नहीं किया गया था।

इस प्रकार, हमारे पास समस्या है, नेतृत्व के बिना, नेतृत्व का अनुसरण करने वाले लोगों के बिना, तो मुक्ति का परिचय देने वाला कोई नहीं है, और अनुसरण करने वाला कोई नहीं है। और जब तक राजत्व अंततः प्रकट होता है, तब तक स्पष्ट रूप से बाद की तारीख में आर्थिक प्रवाह को बाधित करना बहुत कठिन होता है। और इसलिए, संपूर्ण पुराने नियम को कभी भी रिलीज़ करने का अभ्यास नहीं किया गया।

अब याद रखें, इससे पहले कि हम इसे छोड़ें, मैं अपनी बात स्पष्ट कर दूँ। परमेश्वर ने कहा, कि तुम्हारे बीच कोई गरीब न हो। जब हम राजतंत्र के काल में प्रवेश करते हैं, तो हम पैगम्बरों के काल में भी प्रवेश करते हैं।

और हमारे पास ऐसे दूत हैं जिन्हें ईश्वर ने मनुष्यों द्वारा मनुष्यों के साथ किए जाने वाले दुर्व्यवहार की निंदा करने के लिए खड़ा किया है। और शायद ही ऐसा कोई विषय क्षेत्र हो जिसे भविष्यवक्ता इस विषय क्षेत्र से अधिक उत्साहपूर्वक संबोधित करते हों कि कैसे अमीर गरीबों का शोषण करते हैं। यह प्रथम श्रेणी की ईसाई अवधारणा है।

मुझे लिबर्टी विश्वविद्यालय में अधिनियमों की पुस्तक पढ़ाने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ है। और हम जिस बारे में बात कर रहे हैं, यदि संभव हो तो मैं उसके बीच एक त्वरित संबंध बनाऊंगा। यह कोई दुर्घटना नहीं है कि जब हम एक्ट्स की पुस्तक तक पहुंचते हैं, तो एक्ट्स के शुरुआती ईसाई, जिनमें से सभी यहूदी थे, ने अपनी संपत्ति बेच दी और एक ऐसी अर्थव्यवस्था बनाई, जो वे कर सकते थे, जिसमें कोई गरीब नहीं था।

मैं आपको सुझाव दूंगा कि अधिनियमों में प्रारंभिक विश्वासियों ने व्यवस्थाविवरण 15 के इस मॉडल का अच्छी तरह से पालन किया होगा, जिसमें वे सच्चे समुदाय को दोहराने की कोशिश कर रहे थे जो कि भगवान का इरादा था। अब, मैं बिल्कुल निश्चित नहीं हूँ कि इसे आधुनिक ईसाई युग में कितना आगे बढ़ाया जाए, जिसमें हम हैं। लेकिन मैं जो कह सकता हूँ वह यह है कि चाहे पुराने या नए नियम से निपटना हो, इससे निपटने का प्रयास करना एक ईसाई अवधारणा है गरीबी की समस्या के साथ।

यह एक नैतिक अवधारणा है जो सृष्टि में ही निहित है। जब परमेश्वर ने ऋणों को रद्द करने की रचना की, तो वह कुछ ऐसा बना रहा था जिसे डिज़ाइन किया गया था ताकि प्रत्येक मनुष्य अपनी छवि-वाहक स्थिति को अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिबिंबित कर सके। आप जानते हैं, अगर हम लोगों के साथ ऐसा व्यवहार कर सकते हैं जैसे कि उनके जीवन में यही है कि वे गरीब हैं, तो हमने एक मनोवैज्ञानिक वास्तविकता बना ली है कि मैं उन्हें वास्तविक छवि-वाहक के रूप में नहीं देखता हूँ।

मैं उन्हें दूसरी कक्षा की तरह देखता हूँ। वे गरीब लोग हैं। और यह मानव जाति की कहानी है, है ना? इसलिए, मैं नहीं जानता कि पुराने नियम में ऐसे बहुत से स्थान हैं जो हम यहां जो देख रहे हैं उससे कहीं अधिक नाटकीय और अधिक महत्वपूर्ण हैं।

यह न केवल पुराने नियम के लिए पृष्ठभूमि की जानकारी है बल्कि नए नियम के लिए भी पृष्ठभूमि की जानकारी है। तो, यह हमें वास्तविकता की ओर इंगित करने के लिए प्रेरित करता है कि

क्योंकि इस्राएलियों ने इसकी अवज्ञा की थी, दाऊद से लेकर दाऊद तक सभी ने, जब परमेश्वर ने इस्राएल को निर्वासन में भेजा था, 2 इतिहास 36.21 हमें बताता है कि परमेश्वर ने निर्वासन के वर्षों की संख्या निर्धारित की थी सब्त के वर्षों का उल्लंघन करने वालों की संख्या के अनुसार बेबीलोन। जितने सब्बाथ वर्षों का उन्होंने उल्लंघन किया, उससे यह निर्धारित होता था कि वे कितने वर्षों तक निर्वासन में रहेंगे।

सत्तर विश्रामदिन, 70 गुना 7, इत्यादि इत्यादि। तो, मुझे लगता है कि यह सब बेहद महत्वपूर्ण जानकारी है जो पुराने बेबीलोनियन काल का हिस्सा है, लेकिन यह पुराने नियम के बाकी हिस्सों में जीवित और प्रभावी है। 70 के दशक के उत्तरार्ध में, एक नया और, मैं कहूंगा, विद्वानों का एक शोर मचाने वाला अल्पसंख्यक समूह, जिसे मिनिमलिस्ट कहा जाता है, उभरा।

उन्हें तथाकथित इसलिए कहा जाता है क्योंकि वे बाइबिल के किसी भी अनुच्छेद की ऐतिहासिकता से इनकार करते हैं जब तक कि वह अनुच्छेद वैज्ञानिक रूप से एक तथ्य साबित न हो जाए। और वे उस संबंध को नकारने लगे जिसे मैं यहां बेबीलोन की रिहाई और बाइबल में उल्लिखित रिहाई के बीच बनाने की कोशिश कर रहा हूँ। मेरी ओर से, जैसा कि आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, यह केवल एक आर्थिक रिलीज नहीं है। यह एक रिलीज़ है जो स्वयं सृजन से जुड़ी है।

सृष्टि में ईश्वर एक अंतहीन चक्र स्थापित कर रहा था। एक अंतहीन चक्र जिसे शायद सभोपदेशक 3 द्वारा पकड़ लिया गया है क्योंकि सभोपदेशक 3 के उस अनुच्छेद में, इसके लिए एक समय और उसके लिए एक समय के बारे में, उस अनुच्छेद के लेखक ने हमें 14 बार दिया है। इसका 14 गुना, उसका 14 गुना।

जीने का समय, मरने का समय। यह स्पष्ट रूप से एक संख्या है जो सृजन का दो गुना है। दोहरी रचना।

तो, मैं जो सुझाव दूंगा वह यह है कि भगवान ने समय का एक सेट बनाया है, जिसका अगर ठीक से पालन किया जाए, तो यह समय का एक सेट होगा जो इस पृथ्वी पर जीवन को बेहतर तरीके से काम करेगा। अब, जब आप यह वीडियो देख रहे हैं तो आपके लिए अच्छी खबर यह है कि मैं कार्यालय के लिए नहीं दौड़ रहा हूँ। यदि मैं राष्ट्रपति चुना गया तो मैं यह या वह नहीं कर सकता।

लेकिन मैं कुछ हद तक जुनून के साथ विश्वास करता हूँ कि एक धर्मनिरपेक्ष सरकार भी इस तरह की प्रणाली का पालन कर सकती है और इसे हमारे आस-पास की दुनिया में जो कुछ भी हो रहा है, उससे बेहतर नैतिक तरीके से काम कर सकती है। अतः, मानवीय पापबुद्धि के कारण इस प्रणाली का कभी अभ्यास नहीं किया गया। उसके परिणाम भी हुए।

वे परिणाम आज हमारी दुनिया पर भी लागू होते हैं। लेकिन मैं आपको सुझाव देना चाहूंगा कि यह अवधारणा हमारे भगवान के लिए खुद को प्रकट करने के लिए एक माध्यम के रूप में काम करती है। हम छुट्टी लेने के लिए खुद को तैयार करेंगे। लेकिन जैसा कि हम ऐसा करते हैं, मैं आपको बता दूँ कि हम अपने अवकाश पर कहां जा रहे हैं।

और हम जहां जा रहे हैं वह ल्यूक 4 में ल्यूक का उद्धरण है, एक उद्धरण जिसमें यीशु यशायाह 61 का हवाला देते हैं। और यशायाह 61 स्पष्ट रूप से लेवितिकस 25 अवधारणा का संदर्भ दे रहा है। इसलिए, जब हम अपने अगले वीडियो में जाएंगे तो हम यह बताएंगे कि कैसे रिलीज की यह अवधारणा ल्यूक अध्याय 4 में हमारे प्रभु के आत्म-प्रकटीकरण के लिए एक माध्यम बन जाती है। मुझे लगता है कि आपको यह दिलचस्प लगेगा।

और उस बिंदु को बनाने के बाद हम अगले घंटे में जिस पर ध्यान केंद्रित करेंगे, उसके बाद हम अगले घंटे में जिस पर ध्यान केंद्रित करेंगे वह चरवाहे की अवधारणा है, जो मेसोपोटामिया में एक रिलीज के साथ जुड़ा हुआ है। तो, हम आगे बढ़ेंगे और इस वीडियो को समाप्त करेंगे और अगला वीडियो बाद में शुरू करेंगे।

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 7, जुबली है।